



चम्पारण ज्ञानाग्रह



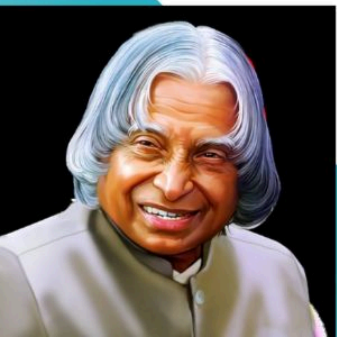
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 14 अक्टूबर 2026, अंक -379.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"दूसरे का भला करना ही सच्चा धर्म है।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org





Wednesday Prayer

बिहार राज्य गीत

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

राष्ट्रगान

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशु मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.....।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है.....।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है.....।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सकें।
है दुआ यही तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर पे झुका हुआ।
तू ही राम है.....।

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..।

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

बन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
बन्दे मातरम्।
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
बन्दे मातरम्।
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
बन्दे मातरम्।
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारुद्र प्रतिमा गङ्गि
मन्दिरे-मन्दिरे।
बन्दे मातरम्।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
बन्दे मातरम्।
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
बन्दे मातरम्।

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तंरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1. कजाकिस्तान की राजधानी क्या है?

उत्तर: अस्ताना

प्रश्न 2. भारत की पहली महिला रेल इंजन चालक के रूप में किसे जाना जाता है?

उत्तर: सुरेखा यादव

प्रश्न 3. 'मंजूषा चित्रकला' बिहार के किस क्षेत्र की पारंपरिक लोककला है?

उत्तर: अंग प्रदेश

प्रश्न 4. यदि किसी आयत की लंबाई 12 सेमी और चौड़ाई 7 सेमी है, तो उसका क्षेत्रफल कितना होगा?

उत्तर: 84 वर्ग सेमी

प्रश्न 5. बिहार के पटना में गंगा नदी के किनारे स्थित ऐतिहासिक 'सभ्यता द्वार' का उद्घाटन किस वर्ष हुआ था?

उत्तर: 2018

प्रश्न 6. किस स्तनधारी जीव के शरीर पर प्राकृतिक कवच के रूप में कठोर शल्क होते हैं?

उत्तर: पैंगोलिन

प्रश्न 7. विद्युत मोटर का मुख्य कार्य क्या है?

उत्तर: विद्युत ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में बदलना

प्रश्न 8. भारत में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस किस तारीख को मनाया जाता है?

उत्तर: 11 नवंबर

प्रश्न 9. 'जो कम बोलता हो', उसके लिए एक शब्द क्या है?

उत्तर: मितभाषी

प्रश्न 10. सड़क पार करने से पहले सबसे सुरक्षित तरीका क्या है?

उत्तर: दोनों ओर देखना

संकलन:-



पिन्दू कुमार

विद्यालय अध्यापक

UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

- 1 Legislation - लेजिस्लेशन - कानून-निर्माण
- 2 Jurisdiction - ज्यूरिस्टिक्शन - न्यायाधिकार
- 3 Verdict - वर्डिक्ट - न्यायिक निर्णय
- 4 Testimony - टेस्टिमनी - गवाही
- 5 Evidence - एविडेंस - साक्ष्य / प्रमाण
- 6 Litigation - लिटिगेशन - मुकदमेबाज़ी
- 7 Petition - पेटिशन - याचिका



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक

Govt. UMS गोइती

बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "How many + plural noun + are you going to + V1?"

(तुम कितने/कितनी ... करने वाले हो?)

तुम कितनी किताबें खरीदने वाले हो? - How many books are you going to buy?

तुम कितने पौधे लगाने वाले हो? - How many plants are you going to plant?

तुम कितने प्रश्न हल करने वाले हो? - How many questions are you going to solve?

तुम कितने लोगों को आमंत्रित करने वाले हो? - How many people are you going to invite?



संकलन:-

अभिनव राज

प्रधान शिक्षक

रा० प्रा० वि० शेखधुरवा

चनपटिया, प. चम्पारण



"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)



प्र.1. प्रतिवर्ष 14 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (ISO), IEC और ITU द्वारा वैश्विक स्तर पर उद्योग, व्यापार और उपभोक्ताओं हेतु तकनीकी मानकों के महत्व पर कौन-सा दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: विश्व मानक दिवस (World Standards Day)

व्याख्या: प्रतिवर्ष 14 अक्टूबर को 'विश्व मानक दिवस' (World Standards Day) मनाया जाता है। 14 अक्टूबर 1946 को लंदन में 25 देशों के प्रतिनिधियों ने मानकीकरण को सुगम बनाने हेतु एक अंतरराष्ट्रीय संगठन बनाने का संकल्प लिया था, जिसके परिणामस्वरूप 1947 में 'अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन' (ISO) की स्थापना हुई। यह दिवस वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुरक्षा, गुणवत्ता, अंतर-संचालनीयता और पर्यावरण अनुकूलता सुनिश्चित करने में वैज्ञानिक मानकों के योगदान को रेखांकित करता है। भारत में 'भारतीय मानक ब्यूरो' (BIS) राष्ट्रीय मानक निकाय के रूप में उत्पादों की गुणवत्ता और हॉलमार्किंग का नियमन करता है।

संदर्भ: International Organization for Standardization (ISO) Portal; Bureau of Indian Standards (BIS) India;

प्र.2. साहित्य के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार 2026 अपनी बहुस्तरीय भाषा-शैली, मानवीय विस्थापन के दर्द तथा उत्तर-औपनिवेशिक यथार्थ को मुखर करने हेतु किस प्रख्यात रचनाकार को प्रदान करने की घोषणा की गई? (समसामयिक घटना)

उत्तर: साहित्य नोबेल पुरस्कार 2026 (साहित्यिक अवदान)

व्याख्या: अक्टूबर 2026 में स्वीडिश अकादमी (स्टॉकहोम) द्वारा 'साहित्य का नोबेल पुरस्कार 2026' की घोषणा की गई। नोबेल समिति ने रचनाकार के उन उपन्यासों, नाटकों और निबंधों की सराहना की जो सांस्कृतिक सीमाओं, विस्थापन, स्मृति और मानवीय अस्मिता के गहरे अंतर्द्वंद्व को सूक्ष्मता से उद्घाटित करते हैं। उल्लेखनीय है कि साहित्य का नोबेल पुरस्कार अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत के अनुसार उस लेखक को दिया जाता है जिसने "साहित्य के क्षेत्र में एक आदर्शवादी दिशा में सबसे उत्कृष्ट कृति" की रचना की हो। 1913 में गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर 'गीतांजलि' के लिए साहित्य का नोबेल पाने वाले प्रथम भारतीय और एशियाई लेखक बने थे।

संदर्भ: The Swedish Academy Press Release October 2026;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध उपन्यास है, जिसमें स्वाधीनता-पूर्व भारत में एक आदर्शवादी पुत्र अमरकांत के ग्रामीण संघर्ष, किसानों के लगान-मुक्ति आंदोलन और सामाजिक समरसता का विस्तृत चित्रण मिलता है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: कर्मभूमि (1932)

व्याख्या: 'कर्मभूमि' (1932) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित एक अत्यंत प्रभावशाली सामाजिक और राजनीतिक उपन्यास है। इसकी कथा तत्कालीन संयुक्त प्रांत (उत्तर प्रदेश) के ग्रामीण और शहरी जीवन के अंतर्संबंधों पर आधारित है। मुख्य पात्र अमरकांत अपभ्रंश विलासी जीवन को छोड़कर गाँव जाता है और अछूतोंद्वारा, किसानों की लगान-बंदी तथा स्वावलंबन के सत्याग्रह का नेतृत्व करता है। उपन्यास में मंदिर-प्रवेश आंदोलन, निर्धन किसानों के भू-अधिकार और महिलाओं के सामाजिक योगदान को प्रमुखता दी गई है। यह उपन्यास गांधीवादी सत्याग्रह और जन-आंदोलन के नैतिक संकल्प का सजीव दस्तावेज है।

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी दिए गए पोषण स्तर पर किसी निश्चित समय में उपस्थित समस्त जीवित कार्बनिक पदार्थों के कुल सूखे भार (Dry Weight) को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: खड़ी फसल (स्टैंडिंग क्रॉप / Standing Crop)

व्याख्या: किसी पारिस्थितिक तंत्र में प्रत्येक पोषण स्तर (Trophic Level) पर एक विशिष्ट समय में जीवित पदार्थों का एक निश्चित द्रव्यमान होता है, जिसे 'खड़ी फसल' (Standing Crop) कहा जाता है। इसे प्रायः सजीवों के बायोमास (जैव-भार) या प्रति इकाई क्षेत्रफल में जीवों की संख्या के रूप में मापा जाता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में बायोमास का मापन 'शुष्क भार' (Dry Weight) के आधार पर करना अधिक सटीक माना जाता है, क्योंकि ताजे भार (Fresh Weight) में जल की मात्रा समय और मौसम के अनुसार बदलती रहती है। यह किसी पारिस्थितिक तंत्र की तात्कालिक उत्पादकता और ऊर्जा भंडारण का सीधा संकेत देता है।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem), p. 261-264;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बिहार के पलामू (वर्तमान झारखंड) क्षेत्र में चैरो और भोक्ता जनजातियों को संगठित कर ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध गुरिल्ला युद्ध का नेतृत्व करने वाले दो वीर सगे भाई कौन थे? (इतिहास)

उत्तर: नीलांबर और पीतांबर (नीलांबर-पीतांबर)

व्याख्या: नीलांबर और पीतांबर 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में छोटानागपुर के पलामू क्षेत्र के अमर जननायक थे। भोक्ता जनजाति के इन दोनों सगे भाइयों ने बाबू कुंवर सिंह के विद्रोही आह्वान से प्रेरित होकर अंग्रेजों के विरुद्ध खुला विद्रोह छेड़ दिया। उन्होंने चैरो, खरवार और भोक्ता जनजातियों के गुरिल्ला दस्तों को संगठित कर लेस्लीगंज, शाहपुर और चैनपुर में ब्रिटिश थानों और खजाने पर धावा बोला तथा डाल्टनगंज में कमिश्नर ग्राहम की सेना को महीनों तक घेरे रखा। अंततः कैप्टन डाल्टन की विशाल सेना ने छल और आधुनिक हथियारों से उन्हें घेरा। 28 मार्च 1859 को लेस्लीगंज में एक आम के पेड़ पर दोनों भाइयों को सार्वजनिक रूप से फांसी दे दी गई।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद"

प्र.6. हिमालय पर्वतमाला में जम्मू और कश्मीर को पंजाब के मैदानों से जोड़ने वाली पीर पंजाल श्रेणी में स्थित वह कौन-सा प्रसिद्ध दर्रा है, जहाँ 2.85 किमी लंबी 'जवाहर सुरंग' निर्मित है? (भूगोल)

उत्तर: बनिहाल दर्रा (Banihal Pass)

व्याख्या: बनिहाल दर्रा (समुद्र तल से ऊँचाई 2,832 मीटर) जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में पीर पंजाल पर्वत श्रेणी में स्थित एक अत्यधिक महत्वपूर्ण पर्वतीय दर्रा है। कश्मीरी भाषा में बनिहाल का अर्थ 'बर्फानी तूफान' होता है। यह दर्रा कश्मीर घाटी को जम्मू और शेष भारत से सड़क मार्ग द्वारा जोड़ता है। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 (पूर्व में NH-1A) इसी दर्रे से गुजरता है। शीतकाल में भारी हिमपात से मार्ग बंद होने से बचाने हेतु 1956 में दर्रे के नीचे 'जवाहर सुरंग' का निर्माण किया गया था। वर्तमान में इस क्षेत्र में सभी मौसमों में चालू रहने वाली अत्याधुनिक नवयुग सुरंग (Qazigund-Banihal Tunnel) तथा भारतीय रेल की पीर पंजाल रेलवे सुरंग भी कार्यरत है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप", p. 10-13; NCERT Class 11 India Physical Environment, Ch 2 Structure & Physiography, p.

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य की लोक सेवाओं में कार्यपालिका से न्यायपालिका के पृथक्करण (Separation of Judiciary from Executive) का निर्देश देता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 50 (राज्य के नीति निर्देशक तत्व)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-IV में राज्य की नीति के निदेशक तत्वों (DPSP) के अंतर्गत 'अनुच्छेद 50' न्यायिक स्वतंत्रता और कानून के शासन का मुख्य आधारस्तंभ है। यह स्पष्ट घोषित करता है कि "राज्य की लोक सेवाओं में, न्यायपालिका को कार्यपालिका से पृथक् करने के लिए राज्य कदम उठाएगा।" इसका मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि न्यायिक प्रक्रिया प्रशासनिक दबाव, राजनीतिक प्रभाव और कार्यपालिका के मनमाने हस्तक्षेप से पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष रहे। इसी संवैधानिक सिद्धांत के तहत 1973 में दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC) में संशोधन कर न्यायिक मजिस्ट्रेटों के कार्यों को प्रशासनिक कार्यकारी मजिस्ट्रेटों से पूरी तरह अलग किया गया।

संदर्भ: Constitution of India, Part IV, Article 50; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 6 "न्यायपालिका", p. 128-132;

प्र.8. किसी उत्तल लेंस के सामने वस्तु को कहाँ रखा जाए ताकि उसका वास्तविक, उल्टा और वस्तु के आकार से बहुत बड़ा (अत्यधिक आवर्धित) प्रतिबिंब अनंत (∞) पर बने? (विज्ञान)

उत्तर: मुख्य फोकस पर (At Focus / F₁)

व्याख्या: प्रकाशिकी में लेंसों द्वारा प्रतिबिंब निर्माण के नियमों के अनुसार, जब किसी वस्तु को उत्तल लेंस के 'प्रथम मुख्य फोकस' (F₁) पर रखा जाता है: (1) वस्तु के शीर्ष से चलने वाली मुख्य अक्ष के समानांतर प्रकाश किरण अपवर्तन के उपरांत द्वितीय फोकस (F₂) से होकर आगे बढ़ती है; (2) लेंस के प्रकाशिक केंद्र (O) से गुजरने वाली प्रकाश किरण बिना किसी विचलन के सीधी निकल जाती है; (3) अपवर्तन के पश्चात ये दोनों किरणें समानांतर हो जाती हैं और अनंत दूरी पर जाकर मिलती हैं। अतः बनने वाला प्रतिबिंब अनंत पर, वास्तविक, उल्टा तथा वस्तु की तुलना में अत्यधिक बड़ा (Highly Enlarged) बनता है। सर्चलाइट, टॉर्च और सिनेमा प्रोजेक्टर इसी सिद्धांत पर कार्य करते हैं।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 191-194;

प्र.9. 11वीं शताब्दी में चोल सम्राट राजराज चोल प्रथम द्वारा तमिलनाडु के तंजावुर में कावेरी नदी के तट पर पूर्णतः ग्रेनाइट पत्थरों से निर्मित द्रविड़ स्थापत्य का शिखर माना जाने वाला यूनेस्को धरोहर मंदिर कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: बृहदेश्वर मंदिर (तंजावुर / राजराजेश्वर मंदिर)

व्याख्या: बृहदेश्वर मंदिर (तंजावुर) चोल कालीन वास्तुकला और मूर्तिकला का विश्वप्रसिद्ध शिखर है, जिसे 'दक्षिण मेरु' भी कहा जाता है। इसका निर्माण 1010 ईस्वी में चोल चक्रवर्ती राजा राजराज प्रथम ने करवाया था। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। इस मंदिर की सबसे बड़ी तकनीकी विशेषता इसका 66 मीटर (216 फीट) ऊँचा 13 मंजिला पिरामिडनुमा विमान है, जिसके शिखर (कलश) पर 80 टन वजनी एक ही अखंड ग्रेनाइट पत्थर की गुंबदनुमा शिला (कुंबम) स्थापित है। मंदिर परिसर के प्रवेश द्वार पर एक ही पत्थर को तराशकर बनाई गई भारत की दूसरी सबसे विशाल नंदी प्रतिमा (लंबाई 6 मीटर, ऊँचाई 3.7 मीटर) स्थापित है। 1987 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 83-86;

प्र.10. 1929 में बिहार के सोनपुर मेले में स्वामी सहजानंद सरस्वती की अध्यक्षता में गठित वह कौन-सा ऐतिहासिक संगठन था, जिसके प्रथम सचिव श्रीकृष्ण सिंह बने थे? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: बिहार प्रांतीय किसान सभा (BPKS)

व्याख्या: नवंबर 1929 में बिहार के प्रसिद्ध सोनपुर पशु मेले के अवसर पर आयोजित एक विशाल किसान सम्मेलन में स्वामी सहजानंद सरस्वती की अध्यक्षता में 'बिहार प्रांतीय किसान सभा' (Bihar Provincial Kisan Sabha) का औपचारिक गठन किया गया। इस ऐतिहासिक सभा के प्रथम सचिव डॉ. श्रीकृष्ण सिंह (बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री) तथा उपाध्यक्ष कार्यनंद शर्मा और पंचानन शर्मा बनाए गए। इसका मुख्य उद्देश्य जमींदारी प्रथा का उन्मूलन, काशतकारों की बेदखली (बकाशत भूमि विवाद) पर रोक, लगान में कमी और कृषकों को ऋण-जाल से मुक्त कराना था। इस संगठन ने पूरे बिहार में किसानों में जबर्दस्त राजनीतिक चेतना फूँकी और आगे चलकर 1936 में लखनऊ में 'अखिल भारतीय किसान सभा' (AIKS) के गठन का आधार तैयार किया।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle & Peasant Movements;

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W2 – दशहरा/छठ/मोहरम आदि पर्वों में भीड़ एवं भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव) के अनुसार दुर्गा पूजा मैलों, रावण दहन स्थलों या छठ अर्घ्य के समय नदी घाटों पर अचानक भगदड़ की स्थिति बनने पर किनारों पर लगी संकीर्ण 'लोहे की बैरिकेडिंग' या संकरे पुलों (Bottlenecks) के पास खड़े होने से क्यों बचना चाहिए और भीड़ में जूट-चप्पल छूट जाने पर उन्हें उठाने का प्रयास क्यों नहीं करना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: क्रश इंजरी व पसलियां टूटने का अत्यधिक दबाव; झुकते ही नीचे गिरकर कुचले जाने का घातक खतरा

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W2: दशहरा/छठ/मोहरम आदि पर्वों में भीड़ एवं भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव की जानकारी) और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के सुरक्षा मानकों के अनुसार: (1) संकीर्ण बाधाओं (Bottlenecks) से बचाव – अत्यधिक जनसंख्या के समय संकरे पुलों, तंग गलियों या लोहे की कठोर बैरिकेडिंग के पास भीड़ का पार्श्व दबाव (Lateral Pressure) प्रति वर्ग मीटर कई टन तक पहुँच जाता है; बैरिकेडिंग से सटकर खड़े होने पर व्यक्ति लोहे के पाइपों और भीड़ के बीच बुरी तरह पिस जाता है (Crush Asphyxia), जिससे पसलियां टूटने और आंतरिक रक्तस्राव का गंभीर खतरा होता है, अतः हमेशा खुले और चौड़े निकास मार्गों की ओर बहें; (2) गिरी हुई वस्तुएं न उठाना – भीड़ के प्रवाह के दौरान यदि पैर से जुता, चप्पल, मोबाइल या बैग छूटकर नीचे गिर जाए, तो उसे उठाने के लिए कभी भी नीचे न झुकें; झुकते ही पीछे से आ रहे अनिर्गन्त जनसंख्या का संतुलन भंग हो सकता है और आपा-समय पर गिर सकते हैं। किसीके बाढ़ में डूले बचते बचते (Rescued) से बचना तथा भंग

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W2 – "दशहरा/छठ/मोहरम आदि पर्वों में भीड़ एवं भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव की जानकारी";

प्र.12. 15 सेमी त्रिज्या वाले एक ठोस धातु के गोले को पिघलाकर 3 सेमी त्रिज्या वाली कितनी छोटी-छोटी ठोस गोलियाँ बनाई जा सकती हैं? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 125 गोलियाँ

व्याख्या: यह ठोसों के रूपांतरण और आयतन के संरक्षण पर आधारित एक मानक, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण अंकगणितीय प्रश्न है।

जब किसी ठोस वस्तु को पिघलाकर छोटी वस्तुएं बनाई जाती हैं, तो कुल आयतन अपरिवर्तित (समान) रहता है।

गोले के आयतन का सूत्र: $V = \frac{4}{3}\pi r^3$ यहाँ बड़े गोले की त्रिज्या (R) = 15 सेमी। बड़े गोले का आयतन (V_1) = $\frac{4}{3}\pi (15)^3$ । छोटी गोली की त्रिज्या (r) = 3 सेमी। एक छोटी गोली का आयतन (V_2) = $\frac{4}{3}\pi (3)^3$ । निर्मित होने वाली कुल गोलियों की संख्या (n) = बड़े गोले का आयतन / एक छोटी गोली का आयतन, $n = \frac{[\frac{4}{3}\pi (15)^3]}{[\frac{4}{3}\pi (3)^3]}$ । $n = \frac{(15)^3}{(3)^3} = \frac{15 \times 15 \times 15}{3 \times 3 \times 3} = 5 \times 5 \times 5 = 125$ गोलियाँ। अतः पिघलाकर कुल 125 छोटी ठोस गोलियाँ बनाई जा सकती हैं।

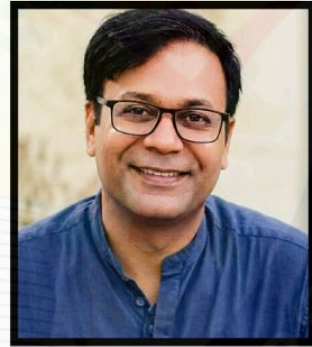
GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण ।



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Anachronistic (अनैक्रनस्टिक) = Outdated (आउटडेटेड) = कालविसंगत / अपने समय के अनुकूल न होना

Antonym – Contemporary (कन्टेम्परेरी) = समकालीन / वर्तमान समय के अनुरूप

2. Deleterious (डेलीटोरियस) = Detrimental (डेट्रिमेंटल) = हानिकारक / नुकसान पहुँचाने वाला

Antonym – Salutory (सैल्यूटरी) = स्वास्थ्यवर्धक / लाभकारी

3. Enervate (एनरवेट) = Weaken (वीकन) = कमजोर / शक्तिहीन कर देना

Antonym – Invigorate (इनविगरेट) = ऊर्जावान / सशक्त बनाना

4. Intransigent (इन्ट्रैन्सिजेन्ट) = Uncompromising (अनकॉम्प्रोमाइजिंग) = अड़ियल / समझौता न करने वाला

Antonym – Accommodating (अकॉमोडेटिंग) = सहयोगी / समझौता करने को तैयार

5. Perfunctory (परफंक्टरी) = Superficial (सुपरफिशियल) = बेमन से किया गया / केवल औपचारिक

Antonym – Thorough (थरो) = पूर्ण / सावधानीपूर्वक किया गया

~: संकलन ~:

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।





"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



India's retail inflation rises to 5.54% in September, highest in nearly two years; RBI rate-hike pressure increases

हिन्दी अनुवाद: सितंबर में भारत की खुदरा महँगाई बढ़कर 5.54% हुई, लगभग दो साल में सबसे अधिक; RBI पर दर बढ़ाने का दबाव बढ़ा।
उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) पर आधारित खुदरा महँगाई अगस्त के 4.83% से बढ़कर सितंबर में 5.54% हो गई। खाद्य कीमतों, कमजोर रुपये और ऊँचे तेल कीमतों ने दबाव बढ़ाया। RBI ने पिछले सप्ताह repo दर 25 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 5.50% की थी और अर्थशास्त्रियों को दिसंबर में एक और दर वृद्धि की संभावना दिख रही है। UPSC/BPSC के लिए: CPI — उपभोक्ता मूल्य सूचकांक; Repo rate — रेपो दर; Monetary Policy Committee — मौद्रिक नीति समिति।

Mumbai-Ahmedabad bullet train clears major construction hurdle in Vadodara; all 14 portal beams installed over Delhi-Mumbai rail line

हिन्दी अनुवाद: मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना ने वडोदरा में बड़ी निर्माण चुनौती पार की; दिल्ली-मुंबई रेल लाइन पर सभी 14 पोर्टल बीम स्थापित।

NHSRCL ने वडोदरा में दिल्ली-मुंबई राजधानी मुख्य रेल लाइन के ऊपर 14 पोर्टल बीमों का निर्माण पूरा कर लिया है। ये बीम बुलेट ट्रेन के उन्नत वायडक्ट के लिए संरचनात्मक आधार बनाएंगे। अगले चरण में लगभग 40 मीटर लंबे कंपोजिट गार्डर लगाए जाएंगे। UPSC/BPSC के लिए:

NHSRCL — राष्ट्रीय उच्च गति रेल निगम; portal beam — पोर्टल बीम; viaduct — वायडक्ट।

Delhi Police removes Jantar Mantar from designated protest sites; Ramlila Ground, Burari Ground and CBD Ground named alternatives

हिन्दी अनुवाद: दिल्ली पुलिस ने जंतर मंतर को निर्धारित विरोध स्थलों की सूची से हटाया; रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और CBD ग्राउंड विकल्प नामित।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की समिति की सिफारिशों के बाद दिल्ली पुलिस ने जंतर मंतर को निर्धारित विरोध स्थल की सूची से हटा दिया। अब विरोध प्रदर्शनों के लिए रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली का CBD ग्राउंड वैकल्पिक स्थल बताए गए हैं।

UPSC/BPSC के लिए: Right to protest — विरोध का अधिकार; Designated protest site — निर्धारित विरोध स्थल; Delhi Police — दिल्ली पुलिस।

INTERNATIONAL NEWS

Delhi Police removes Jantar Mantar from designated protest sites; Ramlila Ground, Burari Ground and CBD Ground named alternatives

हिन्दी अनुवाद: दिल्ली पुलिस ने जंतर मंतर को निर्धारित विरोध स्थलों की सूची से हटाया; रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और CBD ग्राउंड विकल्प नामित।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की समिति की सिफारिशों के बाद दिल्ली पुलिस ने जंतर मंतर को निर्धारित विरोध स्थल की सूची से हटा दिया। अब विरोध प्रदर्शनों के लिए रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली का CBD ग्राउंड वैकल्पिक स्थल बताए गए हैं। UPSC/BPSC के लिए: Right to protest — विरोध का अधिकार; Designated protest site — निर्धारित विरोध स्थल; Delhi Police — दिल्ली पुलिस।

Egypt calls for immediate halt to Houthi attacks; Gulf countries push for security coordination

हिन्दी अनुवाद: मिस्र ने हूति हमलों को तुरंत रोकने की मांग की; खाड़ी देशों ने सुरक्षा समन्वय बढ़ाने की बात की।

मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देल्लाती ने ईरानी समकक्ष अब्बास अरागची से बातचीत के दौरान सऊदी अरब पर हूति हमलों को तुरंत रोकने का आह्वान किया। कतर के अमीर ने भी खाड़ी देशों के बीच सुरक्षा समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया। UPSC/BPSC के लिए:

Diplomacy — कूटनीति; Gulf Cooperation Council — खाड़ी सहयोग परिषद; Political solution — राजनीतिक समाधान।

Iran-US diplomacy stalls as Houthi attacks on Saudi Arabia intensify; 12 commercial ships attacked in a week near Hormuz

हिन्दी अनुवाद: सऊदी अरब पर हूति हमलों के तेज़ होने से ईरान-अमेरिका कूटनीति रुकी; होर्मुज़ के पास एक सप्ताह में 12 व्यापारिक जहाजों पर हमले।

UK Maritime Trade Operations (UKMTO) की चेतावनियों के अनुसार, 5 से 11 अक्टूबर के बीच होर्मुज़ जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी के आसपास 12 व्यापारिक जहाजों पर हमले हुए। ईरान-अमेरिका के बीच युद्ध समाप्त करने और सामान्य नौवहन बहाल करने के प्रयास अटक गए हैं। UPSC/BPSC के लिए: UKMTO — यूके मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस; Freedom of navigation — नौवहन की स्वतंत्रता; Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य।

BIHAR NEWS

Bihar flood threat widens: Gandak and Ganga breach danger marks; Saran sees new inundation, NDRF-SDRF intensify relief

हिन्दी अनुवाद: बिहार में बाढ़ का खतरा बढ़ा: गंडक और गंगा खतरे के निशान को पार; सारण में नए इलाके डूबे, NDRF-SDRF राहत तेज़ कर रहे।
केंद्रीय जल आयोग ने बिहार के लिए 'ऑरेंज' बुलेटिन जारी किया है। गंडक और गंगा खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे सारण सहित कई जिलों में तटबंध टूटने और नए इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनी है। NDRF और SDRF टीमें तैनात हैं और प्रभावित क्षेत्रों में राशन पैकेट हवाई मार्ग से पहुँचाए जा रहे हैं।
UPSC/BPSC के लिए: CWC – केंद्रीय जल आयोग; NDRF – राष्ट्रीय आपदा मोचन बल; SDRF – राज्य आपदा मोचन बल।

Bhagalpur: Ganga erosion continues despite heavy spending; DM seeks explanation from flood control engineer

हिन्दी अनुवाद: भागलपुर: भारी खर्च के बाद भी गंगा का कटाव जारी; DM ने बाढ़ नियंत्रण अभियंता से स्पष्टीकरण मांगा।
भागलपुर के खरीक प्रखंड में बाबा ब्रह्मस्थान के पास गंगा के कटाव को रोकने में विफलता के मामले में जिला पदाधिकारी ने बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, नवगछिया के कार्यपालक अभियंता से 24 घंटे के भीतर तथ्यात्मक जवाब मांगा है। राधोपुर-काजीकोरैया तटबंध के टूटने से चार घर नष्ट हुए और 50 मीटर तटबंध क्षतिग्रस्त हुआ।
UPSC/BPSC के लिए: Flood control – बाढ़ नियंत्रण; Embankment breach – तटबंध टूटना; Accountability – जवाबदेही।

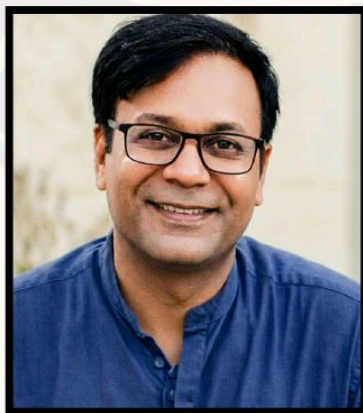
SPORTS NEWS

India beat West Indies by 14 runs in 3rd T20I, take 2-1 lead in five-match series

हिन्दी अनुवाद: भारत ने तीसरे T20I में वेस्टइंडीज़ को 14 रन से हराया, पाँच मैचों की श्रृंखला में 2-1 की बढ़त बनाई।
इंदौर के होलकर स्टेडियम में भारत ने 223 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने 30 गेंदों पर 69 रन बनाए, जबकि अर्शदीप सिंह ने 3 विकेट लिए। वेस्टइंडीज़ ने 224 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 209/7 बनाया।
UPSC/BPSC के लिए: T20I – ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय; BCCI – भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड; Holkar Stadium – होलकर स्टेडियम।

India vs West Indies 4th T20I to be played in Hyderabad on October 14

हिन्दी अनुवाद: भारत बनाम वेस्टइंडीज़ चौथा T20I 14 अक्टूबर को हैदराबाद में खेला जाएगा।
पाँच मैचों की श्रृंखला का चौथा मैच हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत श्रृंखला में 2-1 की बढ़त लेकर मैच में उतरेगा।
UPSC/BPSC के लिए: Rajiv Gandhi International Cricket Stadium – राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम; Series lead – श्रृंखला में बढ़त।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

आज के करेंट अफेयर्स नोट

2026 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार रॉबर्ट ई. हॉल और माइकल वुडफोर्ड को मिला; भारत की सितंबर खुदरा महंगाई 5.54% रही।

एक गाँव में रामदीन नाम का कुम्हार रहता था। वह मिट्टी के सुंदर घड़े बनाता था। उसका बेटा मोहन भी घड़े बनाना सीख रहा था, लेकिन वह जल्दी सफलता पाना चाहता था।

एक दिन मोहन ने बहुत सारे घड़े बनाए। उनमें से एक घड़े में हल्की-सी दरार रह गई। मोहन ने सोचा, इतनी छोटी दरार कौन देखेगा! उसने घड़े को बाकी घड़ों के साथ बाजार में बेच दिया।

अगले दिन ग्राहक शिकायत लेकर आया। पानी भरते ही घड़ा रिसने लगा था। मोहन को अपनी गलती पर शर्म आई। उसने पिता से कहा, “बाबा, इतनी छोटी दरार से इतना बड़ा नुकसान कैसे हो गया?”

रामदीन ने मिट्टी का एक घड़ा उठाया और उसमें पानी भर दिया। फिर बोले, “बेटा, दरार छोटी थी, लेकिन उसने घड़े की सबसे जरूरी खूबी छीन ली। वस्तु की सुंदरता नहीं, उसका भरोसेमंद होना अधिक महत्वपूर्ण है।”

मोहन ने सिर झुका लिया। पिता ने आगे कहा, “यही बात जीवन पर भी लागू होती है। झूठ छोटा हो या बड़ा, वह विश्वास में दरार डालता है। काम में थोड़ी बेईमानी भी हमारी मेहनत का मूल्य घटा देती है। गलती हो जाए तो उसे छिपाने के बजाय सुधारना चाहिए।”

उस दिन मोहन ने ग्राहक से क्षमा माँगी, पैसे लौटाए और नया घड़ा बनाकर दिया। उसने निश्चय किया कि अब वह कोई वस्तु जाँच किए बिना नहीं बेचेगा। धीरे-धीरे लोगों का भरोसा उस पर बढ़ने लगा। मोहन समझ गया कि सफलता केवल अधिक बेचने में नहीं, बल्कि ऐसा काम करने में है जिस पर लोग विश्वास कर सकें।

प्रेरक सीख:

“छोटी-सी कमी वस्तु को कमजोर कर सकती है और छोटी-सी बेईमानी चरित्र को। इसलिए काम ऐसा करें कि हमारी मेहनत के साथ हमारा विश्वास भी सुरक्षित रहे।”



.....
मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण। 9





आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-19

सोचो... समझो... हल करो...

7	6			2		4		
			6					
3	1					5	7	
	3					9		7
	7	9					2	
		1			4			
6			4		1	7		5
	5				6			
		8						

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक 3x3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।

आज का विचार

"परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।"

— चाणक्य

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

7	6	5	1	2	3	4	8	9
8	9	4	6	5	7	2	3	1
3	1	2	9	4	8	6	7	5
5	3	9	8	1	2	9	4	7
4	7	9	3	6	8	1	2	5
2	8	1	7	9	4	6	5	3
6	2	3	4	8	1	7	9	5
9	5	7	2	3	9	8	1	4
1	4	8	5	7	6	3	6	2

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 5, श्लोक 10
ब्रह्मण्याधाय कर्माणि सङ्गं त्यक्त्वा करोति यः।
लिप्यते न स पापेन पद्मपत्रमिवाम्भसा॥

सरल हिन्दी अर्थ:

जो व्यक्ति अपने समस्त कर्मों को परमात्मा (परम सत्य या उच्चतर कर्तव्य) को समर्पित करके तथा आसक्ति (अहंकार और व्यक्तिगत फल की चाह) को त्यागकर कर्म करता है, वह पाप या दोष से उसी प्रकार अछूता रहता है, जैसे कमल का पत्ता जल में रहकर भी जल से नहीं भीगता।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

श्रीकृष्ण यहाँ संसार में रहते हुए तनावमुक्त और निर्दोष जीवन जीने की सबसे सुंदर उपमा देते हैं—कमल का पत्ता (Lotus Leaf Metaphor)।

- संसार में रहना, पर संसार को भीतर न आने देना: कमल कीचड़ और पानी के बीच ही जन्म लेता है और उसी में रहता है, परंतु पानी की एक बूंद भी उसकी सतह पर टिक नहीं पाती। इसी प्रकार, मनुष्य को घर, दफ्तर, समाज और जिम्मेदारियों के बीच ही रहना है, लेकिन उनके तनाव, ईर्ष्या, लालच और अहंकार को अपने मन पर चिपकने नहीं देना है।
- ब्रह्मण्याधाय कर्माणि (Higher Purpose): जब आप काम यह सोचकर नहीं करते कि "यह मैंने किया और इसका श्रेय मुझे मिले", बल्कि यह सोचकर करते हैं कि "यह समाज, संस्था या ईश्वर द्वारा मुझे सौंपा गया कर्तव्य है", तो असफलता का डिप्रेशन और सफलता का घमंड दोनों ही आप पर हावी नहीं होते।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏



मंडे पॉजिटिव

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकान्त मिश्र/बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रगाढ़ शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चंपारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पौडोसफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिक्षकों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चंपारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोटसर के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संस्कृत शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चंपारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह रौलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेगी, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यवसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकलकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम छात्र पर पड़ेगा जो देश का भविष्य है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

एकदम शान्तिय
बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक ज्ञानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलने लगा है। राज प्राथमिक की पंढी बच्चे के खर इसका वाचन होता है और बच्चों को नवी ज्ञानकारी मिलती है। हम

यात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवस्थित प्राथमिक विद्यालय आसानी से राज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के बच्चों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग राज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोटसर

- वेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरू हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि अखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाय तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफ़ी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की

01
सौ आठ अंक का से
बुका प्रकाशन



श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिमॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में वेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया।

आज हजारों के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिक का उत्सर्जन कहा से होता है, तबो का वर्गीकरण किसने किया। श्वेत परिपत्र में रबीय का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, धौंरणी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेररक प्रश्न शामिल हैं।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सुर जगन्नाथ • बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊँचाई देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सहायक शैक्षिक पालक सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के समुदायिक संकल्प और समर्पण से यह पालक हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चंपारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों को प्रबंधन सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के समुदायिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, सामुदायिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकें तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनवैभवो बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकर ले रही इस पालक का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोटसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों को एक टीम हिन्दू कुमार, सौर कुमार,



प्रखंड संसदन केंद्र बगहा दो • जगन्नाथ

राय, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिष्ठित पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही हैं। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यालयों के स्तर के अनुसार सरल, रोचक और प्रभावी होती है। 'सत्यमेव जयते' से सदागिन

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सत्यमेव जयते' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रश्न जैसे खंड शामिल हैं। यह मंडल विद्यालयों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तिगत विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणायुक्त है। धृष्टन रम्य, वीडोज, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है। शिक्षक संकलन पर विशेष और पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियाँ, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जगन्नाथ: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जगन्नाथ पत्रिका जोर रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पालक यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सराका



पंडित मोतीलाल नेहरू

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में सुना है, जो महलों जैसी सुख-सुविधाओं में रहता था, जिसके पास बेशुमार दौलत और गाड़ियाँ थीं, लेकिन देश की आज़ादी की एक पुकार पर उसने अपना सारा विलास त्यागकर खादी का सादा कुर्ता पहन लिया और जेल की ठंडी ज़मीन पर सोना स्वीकार किया? आज हम भारत के एक ऐसे ही प्रतापी, स्वाभिमानी और महान नेता की प्रेरक कहानी सुनेंगे, जिन्हें इतिहास बड़े आदर से याद करता है। वे थे पंडित मोतीलाल नेहरू!

पंडित मोतीलाल नेहरू का जन्म 6 मई 1861 को उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक शहर आगरा में एक प्रतिष्ठित कश्मीरी पंडित परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम पंडित गंगाधर नेहरू था, जो दिल्ली में अंग्रेज़ों के आने से पहले मुख्य कोतवाल थे। उनके जन्म से कुछ ही महीने पहले उनके पिता का असामयिक देहांत हो गया था। उनकी माता का नाम श्रीमती जीवरानी नेहरू था, जो अत्यंत धैर्यवान, संस्कारी और ममतामयी महिला थीं। पिता का साया न होने के कारण नन्हे मोतीलाल का पालन-पोषण उनकी माँ और उनके बड़े भाई नंदलाल नेहरू ने बड़े लाड़-प्यार और संस्कारों के साथ किया।

नन्हे मोतीलाल बचपन से ही बहुत कुशाग्र बुद्धि, साहसी और स्वतंत्र विचारों वाले बालक थे। उन्हें पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ अरबी और फ़ारसी भाषा का गहरा ज्ञान मिला। बाद में उन्होंने कानपुर और इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज) के म्योर सेंट्रल कॉलेज से उच्च शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने कानून की परीक्षा पूरे प्रांत में प्रथम स्थान प्राप्त करके पास की और पहले कानपुर तथा बाद में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वकालत शुरू की। वे इतने तेज़तर्रार, हाज़िरजवाब और तर्कशील वकील थे कि उनका नाम पूरे देश में गूँजने लगा। उनकी गिनती उस समय भारत के सबसे सफल और अमीर वकीलों में होने लगी। उन्होंने इलाहाबाद में 'आनंद भवन' नाम का एक भव्य और सुंदर महलनुमा घर बनवाया।

जब महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन शुरू किया, तो मोतीलाल जी के होनहार पुत्र जवाहरलाल नेहरू आज़ादी की लड़ाई में कूद पड़े। अपने बेटे का देशप्रेम और महात्मा गांधी के सत्य-अहिंसा के आदर्शों को देखकर मोतीलाल जी का हृदय भी पूरी तरह बदल गया। उन्होंने अपनी लाखों की आमदनी वाली वकालत एक झटके में छोड़ दी। विदेशी रेशमी कपड़ों की जगह उन्होंने खुद हाथ से सूत कातकर खादी पहनना शुरू किया। उन्होंने देशवासियों को अपनी आवाज़ देने के लिए 'द इंडिपेंडेंट' नामक ओजस्वी दैनिक समाचार पत्र निकाला।

मोतीलाल नेहरू दो बार (1919 में अमृतसर और 1928 में कलकत्ता) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने देशबंधु चित्तरंजन दास के साथ मिलकर 'स्वराज पार्टी' बनाई और अंग्रेज़ों की बनाई परिषदों में जाकर उनके दमनकारी कानूनों का डटकर विरोध किया। जब अंग्रेज़ों ने भारतीयों को चुनौती दी कि वे अपना संविधान खुद नहीं बना सकते, तब 1928 में मोतीलाल जी ने भारत के भावी संविधान का ऐतिहासिक प्रारूप तैयार किया, जिसे इतिहास में 'नेहरू रिपोर्ट' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने अपना आलीशान घर 'स्वराज भवन' भी देश सेवा और स्वतंत्रता आंदोलन के काम के लिए दान कर दिया।

नमक सत्याग्रह के दौरान अंग्रेज़ों ने उन्हें जेल में डाल दिया, जहाँ उनका स्वास्थ्य बहुत बिगड़ गया। 6 फरवरी 1931 को लखनऊ में इस महान विभूति ने अंतिम साँस ली। प्यारे बच्चों, पंडित मोतीलाल नेहरू का जीवन हमें सिखाता है कि धन-दौलत से बड़ा त्याग और आत्मसम्मान होता है। जब देश और समाज को हमारी ज़रूरत हो, तो हमें अपने सुखों को छोड़कर सदैव आगे खड़े रहना चाहिए।



शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2





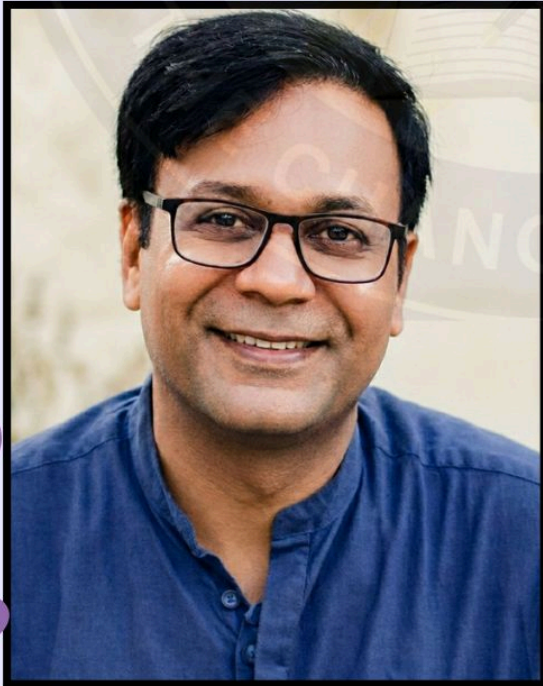
Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿 🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के
लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)



-9939671700

आज का विचार:

परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी प्रतिकूल या कीचड़ जैसी क्यों न हों,
अपने अंतर्मन को कमल की तरह निर्मल रखिए। जब आपका कर्म
स्वार्थ से मुक्त और उच्चतर उद्देश्य को समर्पित होता है, तो संसार
का कोई भी तनाव आपको छू नहीं सकता।

+917250818080



teachersofbihar@gmail.com



+917250818080



www.teachersofbihar.org

